चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.07.2020	02	07-08

एचएयू कुलपति ने किसानों को दी सलाह

दुधारू पशुओं के लिए लोबिया है काफी लाभकारी : प्रो. समर सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

दुधारू पशुओं के लिए गर्मियों के मौसम में लोबिया की चारे की फसल लाभकारी है। यह गर्मी और खरीफ मौसम की जल्द बढ़ने वाली फलीदार, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट चारे वाली फसल है। जानकारी देते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को लोबिया फसल की बिजाई संबंधी सलाह देते हुए बताया कि लोबिया की खेती प्रायः सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। हरे चारे के अलावा दलहन, हरी फली (सब्जी) व हरी खाद के रूप में अकेले अथवा मिश्रित फसल के तौर पर भी लोबिया को उगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसान लोबिया को ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाएं तो इन फसलों के चारे की गुणवत्ता भी बढ़ जाती है। एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि गर्मियों में दुधारू पशुओं को लोबिया का चारा खिलाने से औसतन 15-20 प्रतिशत प्रोटीन और सूखे दानों में लगभग 20-25 प्रतिशत प्रोटीन की क्षमता बढ़ती है। एचएयू के आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. डीएस फोगाट व ज्वार विशेषज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया लोबिया की सी.एस. 88 किस्म, एक नई व परिष्कृत किस्म है जो चारे की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह सीधी बढ़ने वाली किस्म है जिसके पत्ते गहरे हरे रंग के तथा चौड़े होते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.07.2020	02	01

एचएयू के कैंपस स्कूल का परीक्षा-परिणाम रहा शानदार, दी बधाई

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। यह जानकारी देते हुए विद्यालय के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके ठकराल ने बताया कि सीबीएसई द्वारा घोषित 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में विशाखा शर्मा ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, प्रतीक ने 94.8 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान व अश्वीना ने 93.2 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.07.2020	03	06

एचएयू के कैंपस स्कूल का परीक्षा-परिणाम शानदार

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कैंपस स्कूल की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एसके ठकराल ने बताया कि सीबीएसई द्वारा घोषित 10वीं कक्षा के परिणाम में विशाखा शर्मा ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, प्रतीक ने 94.8 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान व अश्वीना ने 93.2 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यालय के प्रिंसिपल व शिक्षकों को बधाई दी व बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	18.07.2020	12	02-08

ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाने से बढ़ जाती है चारे की गुणवत्ता

दुधारू पशुओं के लिए लाभकारी है लोबिया : प्रो. समर सिंह

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को दी सलाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति

दुधारू पशुओं के लिए गर्मियों के मौसम में लोबिया की चारे की फसल लाभकारी है। यह गर्मी और खरीफ मौसम की जल्द बढ़ने वाली फलीदार, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट चारे वाली फसल है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को लोबिया फसल की बिजाई संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोबिया की खेती प्राय: सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। हरे चारे के अलावा दलहन, हरी फली (सब्जी) व हरी खाद के रूप में अकेले अथवा मिश्रित फसल के तौर पर भी लोबिया को उगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसान लोबिया को ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाएं तो इन फसलों के चारे की गुणवत्ता भी बढ़ जाती है। हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि गर्मियों में दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता बढ़ाने के लिए लोबिया का चारा अवश्य खिलाना चाहिए। इसके चारे में औसतन 15-20 प्रतिशत प्रोटीन और सूखे दानों में लगभग 20-25 प्रतिशत प्रोटीन होती है।

किसान उन्नत किस्मों का करें चुनाव

हकृवि के अनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. डी.एस. फोगाट व ज्वार विशेषज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया कि किसान लोबिया की उन्नत किस्में लगाकर चारा उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लोबिया की सी.एस. 88 किस्म, एक नई व परिष्कृत किस्म है जो चारे की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह सीधी बढ़ने वाली किस्म है जिसके पत्ते गहरे हरे रंग के तथा चौड़े होते हैं। इसके बीज का रंग हल्का गुलाबी भूरा या हल्का भूरा होता है। यह किस्म विभिन्न रोगों विशेषकर पत्ते मौजेक विषाणु रोग के लिए व कांटों से मुक्त है। इस किस्म की बिजाई सिंचित एवं कम सिंचाई वाले क्षेत्रों में गर्मी तथा खरीफ के मौसम में की जा सकती है। इसका हरा चारा लगभग 55-60 दिनों में कटाई लायक हो जाता है। इसके हरे चारे की पैदावार लगभग 140-150 क्विंटल प्रति एकड़ है। यदि फसल बीज के लिए लेनी हो तो लोबिया की बिजाई का सही समय मध्य जुलाई से अगस्त का प्रथम सप्ताह है।

रखें ख्याल

चारा-अनुभाग के अध्यक्ष डॉ डी.एस. फोगाट के अनुसार दलहनी फसल होने के कारण, लोबिया में नाइट्रोजन की अधिक आवश्यकता नहीं होती। फिर भी शुरू की अच्छी बढ़वार के लिए 10 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें। बिजाई से पहले सिंचित इलाकों में 8 किलोग्राम फास्फोरस तथा बारानी क्षेत्रों में 12 किलोग्राम फास्फोरस पेरा या ड्रिल से डालें। मिश्रित खेती में उर्वरक फसल की सिफारिश के अनुपात में ही डालें। इसके अलावा गर्मी में बोई गई फसल में एक सिंचाई-गुड़ाई पहली सिंचाई देने के बाद जमीन जरा आने पर करें।

155 क्विंटल तक मिल जाती है पैदावार

डॉ. सतपाल ने बताया कि लोबिया की हरे चारे के लिए कटाई 50 प्रतिशत फूल आने से लेकर 50 प्रतिशत फलियां बनने तक पूरी कर लेनी चाहिए। अन्यथा इसके बाद इसका तना सख्त व मोटा हो जाता है और चारे की पौष्टिकता व स्वादिष्टता दोनों ही प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि गर्मियों में लोबिया के हरे चारे की उपज लगभग 130-135 क्विंटल व खरीफ में 150-155 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार मिल जाती है। इसके हरे चारे को अकेले खिलाने की बजाए सूखी तूड़ी या ज्वार, बाजरा, मक्की के हरे चारे या इनकी कड़बी के साथ मिलाकर खिलाएं। लोबिया के दाने की पैदावार लगभग 10-12 क्विंटल प्रति हैक्टेयर मिल जाती है।

दोमट मिट्टी होती है उपयुक्त

डॉ. सतपाल ने बताया कि लोबिया की फसल के लिए दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है, परन्तु रेतीली दोमट मिट्टी में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता है। खेत की बढ़िया तैयारी के लिए 2-3 जुताई काफी हैं। उन्होंने बताया कि लोबिया की बुआई मध्य मार्च से लेकर जुलाई अन्त तक कर सकते हैं। गर्मियों में सबसे अच्छा समय मध्य मार्च से लेकर नई का पहला सप्ताह है, जिससे इसका हरा चारा चारे की कमी वाले समय में उपलब्ध हो जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	17.07.2020	--	--

नई राह दिखा रहा हकृवि का एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सैंटर

* प्रशिक्षण लेकर दर्जनों उद्यमी सफलतापूर्वक चला रहे अपने स्टार्टअप्स

हिसार, 17 जुलाई (राज पराशर) : यदि आपके पास कृषि या इसके सहायक क्षेत्रों में कोई नया उद्यम शुरू करने का आइडिया है तो हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस सेंटर (एबीक) आपकी मदद के लिए तैयार है। नाबार्ड और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से चल रहे एबीक सेंटर के माध्यम से अब तक दर्जनों नए स्टार्ट अप्स सफलतापूर्वी नोडल ऑफिसर डा. सीमा रानी ने बताया कि 8 सप्ताह की प्रशिक्षण अवधि के दौरान उद्यमियों को क्षेत्र के विशेषज्ञों से मिलकर अपनी नेतृत्व क्षमता को विकसित करने और विश्व स्तरीय रिसर्च लैब में कार्य करने के अवसर मिलेंगे। नव उद्यमी फसलों के उत्पादन व संरक्षण, फ्लोरीकल्चर, मशरूम एंड बायो पेस्टिसाइड प्रोडक्शन, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, बायो गैस-बायो फर्टीलाइजर प्रोडक्शनक चल रहे हैं जिनमें सैकड़ों लोगों को रोजगार भी मिला है। इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा अभी हाल ही में हरियाणा और पड़ोसी राज्यों तथा केंद्र शासित क्षेत्रों के एग्री स्टार्टअप्स के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास (आरकेवीवाई)-रफ्तार योजना के तहत पहल-2020 तथा सफल-2020 कार्यक्रमों की घोषणा की गई है। सेंटर के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधू व सहायक बिजनेस मैनेजर शैलेंद्र सिंह ने बताया कि इंक्यूबेशन सेंटर की सेवाओं व योजनाओं का लाभ किसी भी राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश का उद्यमी ले सकता है लेकिन उसे अपना उद्यम हरियाणा में शुरू करना होगा। इससे हरियाणा प्रदेश में कृषि व इससे जुड़े नए व्यवसाय व उद्यम शुरू होंगे और अधिक से अधिक युवाओं के लिए रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा। इस प्रकार हकृवि का यह इंक्यूबेशन सेंटर हरियाणा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने और और यहां के नए विचारों वाले युवाओं को सपनों को मूर्त रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हिसार : हकृवि में स्थित एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सैंटर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का फाइल फोटो। (छाया : राज पराशर)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	17.07.2020	--	--

हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों को दी सलाह

दुधारू पशुओं के लिए लाभकारी है लोबिया : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। दुधारू पशुओं के लिए गर्मियों के मौसम में लोबिया की चारे की फसल लाभकारी है। यह गर्मी और खरीफ मौसम की जल्द बढने वाली फलीदार, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट चारे वाली फसल है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को लोबिया फसल की बिजाई संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोबिया की खेती प्रायः सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। हरे चारे के अलावा दलहन, हरी फली (सब्जी) व हरी खाद के रूप में अकेले अथवा मिश्रित फसल के तौर पर भी लोबिया को उगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसान लोबिया को ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाएं तो इन फसलों के चारे की गुणवता भी बढ़ जाती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि गर्मियों में दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता बढ़ाने के लिए लोबिया का चारा अवश्य खिलाना चाहिए। इसके चारे में औसतन 15-20 प्रतिशत प्रोटीन और सूखे दानों में लगभग 20-25 प्रतिशत प्रोटीन होती है।

अच्छी पैदावार के लिए किसान उन्नत किस्मों का करें चुनाव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. डी.एस. फोगाट व ज्वार विशेषज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया कि किसान लोबिया की उन्नत किस्में लगाकर चारा उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लोबिया की सी.एस. 88 किस्म, एक नई व परिष्कृत किस्म है जो चारे की खेती के लिए सर्वोतम है। यह सीधी बढने वाली किस्म है जिसके पत्ते गहरे हरे रंग के तथा चौड़े होते हैं। इसके बीज का रंग हल्का गुलाबी भूरा या हल्का भूरा होता है। यह किस्म विभिन्न रोगों विशेषकर पीले मौजेक विषाणु रोग के लिए व कीटों से मुक्त है। इस किस्म की बिजाई सिंचित एवं कम सिंचाई वाले क्षेत्रों में गर्मी तथा खरीफ के मौसम में की जा सकती है। इसका हरा चारा लगभग 55-60 दिनों में कटाई लायक हो जाता है। इसके हरे चारे की पैदावार लगभग 140-150 क्विंटल प्रति एकड़ है। यदि फसल बीज के लिए लेनी हो तो लोबिया की बिजाई का सही समय मध्य जुलाई से अगस्त का प्रथम सप्ताह है।

खरीफ की फसल की 155 क्विंटल तक मिल जाती है पैदावार

डॉ. सतपाल ने बताया कि लोबिया की हरे चारे के लिए कटाई 50 प्रतिशत फूल आने से लेकर 50 प्रतिशत फलियां बनने तक पूरी कर लेनी चाहिए। अन्यथा इसके बाद इसका तना सख्त व मोटा हो जाता है और चारे की पौष्टिकता व स्वादिष्टता दोनों ही प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि गर्मियों में लोबिया के हरे चारे की उपज लगभग 130-135 क्विंटल व खरीफ में 150-155 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार मिल जाती है। इसके हरे चारे को अकेले खिलाने की बजाए सूखी तूड़ी या ज्वार, बाजरा, मक्की के हरे चारे या इनकी कड़बी के साथ मिलाकर खिलाएं। लोबिया के दाने की पैदावार लगभग 10-12 क्विंटल प्रति हैक्टेयर मिल जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	17.07.2020	--	--

पशुओं के लिए लोबिया लाभकारी : कुलपति

हिसार. दुधारू पशुओं के लिए गर्मियों के मौसम में लोबिया की चारे की फसल लाभकारी है। यह गर्मी और खरीफ मौसम की जल्द बढ़ने वाली फलीदार, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट चारे वाली फसल है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को लोबिया फसल की बिजाई संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोबिया की खेती प्राय: सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। हरे चारे के अलावा दलहन, हरी फली (सब्जी) व हरी खाद के रूप में अकेले अथवा मिश्रित फसल के तौर पर भी लोबिया को उगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसान लोबिया को ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाएं तो इन फसलों के चारे की गुणवता भी बढ़ जाती है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि गर्मियों में दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता बढ़ाने के लिए लोबिया का चारा अवश्य खिलाना चाहिए। इसके चारे में औसतन 15-20 प्रतिशत प्रोटीन और सूखे दानों में लगभग 20-25 प्रतिशत प्रोटीन होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	17.07.2020	--	--

हकृवि के कैंपस स्कूल का परीक्षा-परिणाम रहा शानदार

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। यह जानकारी देते हुए विद्यालय के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. ठकराल ने बताया कि सीबीएसई द्वारा घोषित 10वीं कक्षा के परीक्षा परीणाम में विशाखा शर्मा ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, प्रतीक ने 94.8 प्रतिशत अंको के साथ द्वितीय स्थान व अश्वीना ने 93.2 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यालय के प्रिंसीपल व शिक्षकों को बधाई दी व बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	17.07.2020	--	--

दुधारू पशुओं के लिए लाभकारी है लोबिया : प्रो. समर सिंह

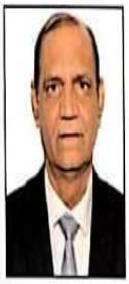

ज्वार, बाजरा तथा मक्का के साथ उगाने से बढ़ जाती है चारे की गुणवत्ता

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। दुधारू पशुओं के लिए गर्मियों के मौसम में लोबिया की चारे की फसल लाभकारी है। यह गर्मी और खरीफ मौसम की जल्द बढ़ने वाली फलीदार, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट चारे वाली फसल है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को लोबिया फसल की बिजाई संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोबिया की खेती प्रायः सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। हरे चारे के अलावा दलहन, हरी फली (सब्जी) व हरी खाद के रूप में अकेले अथवा मिश्रित फसल के तौर पर भी लोबिया को उगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसान लोबिया को ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाएं तो इन फसलों के चारे की गुणवता भी बढ़ जाती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि गर्मियों में दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता बढ़ाने के लिए लोबिया का चारा अवश्य खिलाना चाहिए। इसके चारे में औसतन 15-20 प्रतिशत प्रोटीन और सूखे दानों में लगभग 20-25 प्रतिशत प्रोटीन होती है।

अच्छी पैदावार के लिए किसान उन्नत किस्मों का करें चुनाव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. डी.एस. फोगाट व ज्वार विशेषज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया कि किसान लोबिया की उन्नत किस्में लगाकर चारा उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लोबिया की सी.एस. 88 किस्म, एक नई व परिष्कृत किस्म है जो चारे की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह सीधी बढ़ने वाली किस्म है जिसके पत्ते गहरे हरे रंग के तथा चौड़े होते हैं। इसके बीज का रंग हल्का गुलाबी भूरा या हल्का भूरा होता है। यह किस्म विभिन्न रोगों विशेषकर पीले मौजेक विषाणु रोग के लिए व कीटों से मुक्त है। इस किस्म की बिजाई सिंचित एवं कम सिंचाई वाले क्षेत्रों में गर्मी तथा खरीफ के मौसम में की जा सकती है। इसका हरा चारा लगभग 55-60 दिनों में कटाई लायक हो जाता है। इसके हरे चारे की पैदावार लगभग 140-150 क्विंटल प्रति एकड़ है। डॉ. सतपाल ने बताया कि लोबिया की काश्त के लिए दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है, परन्तु रेतीली दोमट मिट्टी में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता है। खेत की बढ़िया तैयारी के लिए 2-3 जुताई काफी हैं। उन्होंने बताया कि लोबिया की बुआई मध्य मार्च से लेकर जुलाई अन्त तक कर सकते हैं। गर्मियों में सबसे अच्छा समय मध्य मार्च से लेकर मई का पहला सप्ताह है, जिससे इसका हरा चारा चारे की कमी वाले समय में उपलब्ध हो जाता है।

निराई-गुड़ाई व सिंचाई का किसान रखें विशेष ध्यान : डॉ. फोगाट

चारा-अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. डी.एस. फोगाट के अनुसार दलहनी फसल होने के कारण, लोबिया में नाइट्रोजन की अधिक आवश्यकता नहीं होती। फिर भी शुरू की अच्छी बढ़वार के लिए 10 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें। बिजाई से पहले सिंचित इलाकों में 25 किलोग्राम फास्फोरस तथा बारानी क्षेत्रों में 12 किलोग्राम फास्फोरस पोरा या ड्रिल से डालें। मिश्रित खेती में उर्वरक फसल की सिफारिश के अनुपात में ही डालें। इसके अलावा गर्मी में बोई गई फसल में एक निराई-गुड़ाई पहली सिंचाई देने के बाद जमीन वत्तर आने पर करें। मानसून की वर्षा पर बोई गई फसल में एक गुड़ाई बिजाई के लगभग 25 दिन बाद करें। मार्च-अप्रैल में बोई गई फसल में पहली सिंचाई बिजाई के 20-25 दिन बाद तथा मई में बोई गई फसल में पहली सिंचाई बिजाई के 15-20 दिन बाद करें। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि आगे की सिंचाई 15-20 दिन के अन्तराल पर करें। लोबिया की फसल के लिए कुल 3-4 सिंचाई ही काफी हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत न्यूज	17.07.2020	--	--

दुधारू पशुओं के लिए लाभकारी है लोबिया : प्रो. समर सिंह

* हकृवि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों को दी सलाह

हिसार, 17 जुलाई (राज पराशर) : दुधारू पशुओं के लिए गर्मियों के मौसम में लोबिया की चारे की फसल लाभकारी है। यह गर्मी और खरीफ मौसम की जल्द बढ़ने वाली फलीदार, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट चारे वाली फसल है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों को लोबिया फसल की बिजाई संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोबिया की खेती प्राय: सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। हरे चारे के अलावा दलहन, हरी फली (सब्जी) व हरी खाद के रूप में अकेले अथवा मिश्रित फसल के तौर पर भी लोबिया को उगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसान लोबिया को ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाएं तो इन फसलों के चारे की गुणवता भी बढ़ जाती है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस के सहरावत ने बताया कि गर्मियों में दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता बढ़ाने के लिए लोबिया का चारा अवश्य खिलाना चाहिए। इसके चारे में औसतन 15-20 प्रतिशत प्रोटीन और सूखे दानों में लगभग 20-25 प्रतिशत प्रोटीन होती है।

अच्छी पैदावार के लिए किसान उन्नत किस्मों का करें चुनाव : विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डा. डीएस फोगाट व ज्वार विशेषज्ञ डा. सतपाल ने बताया कि लोबिया की सीएस 88 किस्म, एक नई व परिष्कृत किस्म है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू न्यूज	17.07.2020	--	--

दुधारू पशुओं के लिए लाभकारी है लोबिया : कुलपति प्रो. समर सिंह

हिसार/प्रवीन कुमार

दुधारू पशुओं के लिए गर्मियों के मौसम में लोबिया की चारे की फसल लाभकारी है। यह गर्मी और खरीफ मौसम की जल्द बढ़ने वाली फलीदार, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट चारे वाली फसल है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों को लोबिया फसल की बिजाई संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोबिया की खेती प्राय: सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। हरे चारे के अलावा दलहन, हरी फली (सब्जी) व हरी खाद के रूप में अकेले अथवा मिश्रित फसल के तौर पर भी लोबिया को उगाया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसान लोबिया को ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाएं तो इन फसलों के चारे की गुणवता भी बढ़ जाती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि गर्मियों में दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता बढ़ाने के लिए लोबिया का चारा अवश्य खिलाना चाहिए। इसके चारे में औसतन 15-20 प्रतिशत प्रोटीन और सूखे दानों में लगभग 20-25 प्रतिशत प्रोटीन होती है। डॉ. बी.एस. फोगाट व ज्वार विशेषज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया कि किसान लोबिया की ऊन्नत किस्में लगाकर चारा उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लोबिया की सी.एस. 88 किस्म, एक नई व परिष्कृत किस्म है जो चारे की खेती के लिए सर्वोतम है।

ज्वार, बाजरा तथा मक्की के साथ उगाने से बढ़ जाती है चारे की गुणवत्ता

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनबन्धु (प्रादेशिकी)	17.07.2020	--	--

दावा

कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप को दिया जा रहा है नया आयाम

कृषि व सहायक क्षेत्र के उद्यमियों को नई राह दिखा रहा हकृवि का एबीक

हिसार, 17 जुलाई (देशबन्धु)। यदि आपके पास कृषि या इसके सहायक क्षेत्रों में कोई नया उद्यम शुरू करने का आइडिया है तो हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री बिजनेस सेंटर (एबीक) आपकी मदद के लिए तैयार है। यह सेंटर कृषि क्षेत्र में नए आइडिया वाले उद्यमियों, स्टार्ट अप्स और अविष्कारकों की मदद करके उनकी प्रतिभा को नया मुकाम देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस सेंटर के माध्यम से अब तक दर्जनों नए स्टार्टअप्स सफलतापूर्वक चल रहे हैं जिनमें सैकड़ों लोगों को रोजगार भी मिला है। दरअसल, नाबार्ड और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से चल रहे एबीक में कृषि व इससे जुड़े क्षेत्र में नव उद्यमियों के नए विचारों को तराशते हैं।

और इन्हें क्रियान्वित करके सफलता के अंजाम तक पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके लिए उद्यमियों को न केवल स्टार्टअप्स शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है बल्कि व्यवसाय के दौरान बाद में उनके सामने आने वाली आर्थिक रुकावटों को भी दूर किया जाता है।

इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा अभी हाल ही में हरियाणा और पड़ोसी राज्यों तथा केंद्र शासित क्षेत्रों के एग्री स्टार्टअप्स के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास (आरकेवीवाई)-रफ्तार योजना के तहत पहल-2020 तथा सफल-2020 कार्यक्रमों की घोषणा की गई है। इनके अंतर्गत आईडिया/प्री सीड स्टेज तथा सीड स्टेज (प्रोटोटाइप एमवीवाई) श्रेणी के तहत 2-2 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। एग्री स्टार्टअप्स इन कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जहां

प्रतिमाह 10 हजार रुपये की दर से वजीफा दिया जाएगा वहीं सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने वाले उद्यमियों को पहल श्रेणी में 5 लाख रुपये तथा सफल श्रेणी में 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के लिए आवेदन के योग्य माना जाएगा।

इंक्यूबेशन सेंटर की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि 8 सप्ताह की प्रशिक्षण अवधि के दौरान उद्यमियों को क्षेत्र के विशेषज्ञों से मिलकर अपनी नेतृत्व क्षमता को विकसित करने और विश्व स्तरीय रिसर्च लैब में कार्य करने के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही नव उद्यमियों को अपने क्षेत्र में नेटवर्किंग बनाने के मौके भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। नव उद्यमी फसलों के उत्पादन व संरक्षण, फ्लोरीकल्चर, मशरूम एंड बायो पेस्टिसाइड प्रोडक्शन, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, बायो गैस-बायो फर्टीलाइजर प्रोडक्शन, एक्वाकल्चर, टिश्यू कल्चर, एग्री वेस्ट मैनेजमेंट, फार्म मैकेनाइजेशन, प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन, नर्सरी राइजिंग, कृषि में आईओटी, आईसीटी व एआई, डवलेप्मेंट ऑफ न्यू वैराइटीज, एपीकल्चर, ऑर्गेनिक/प्रसीजन फार्मिंग, फार्म मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में नए विचारों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी कर सकते हैं।

सेंटर के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधू व सहायक बिजनेस मैनेजर शैलेंद्र सिंह ने बताया कि इंक्यूबेशन सेंटर की सेवाओं व योजनाओं का लाभ किसी भी राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश का उद्यमी ले सकता है लेकिन उसे अपना उद्यम हरियाणा में शुरू करना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाईन (यूनिक हरियाणा)	17.07.2020	--	--

यूनिक हरियाणा हिसार: 16 जुलाई

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कार्यभार संभालने के बाद कहे। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं व अधिकारियों के साथ बैठक भी की जिसमें सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक व गैर-शिक्षक वर्ग की यह जिम्मेदारी बनती है कि विश्वविद्यालय के हित में सभी को मिलकर काम करना होगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा। इसके लिए दूरगामी सोच व उसके सकारात्मक परिणाम को ध्यान में रखकर ऐसी योजना बनानी होंगी जो विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाएं। उन्होंने ग्रामीण परिवेश की महिलाओं से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाईन (यूनिक हरियाणा)	**17.07.2020**	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल का परीक्षा-परिणाम रहा शानदार

July 17, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार : 17 जुलाई

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। यह जानकारी देते हुए विद्यालय के नियंत्रण अधिकारी डॉ. एस.के. ठकराल ने बताया कि सीबीएसई द्वारा घोषित 10वीं कक्षा के परीक्षा परीणाम में विशाखा शर्मा ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, प्रतीक ने 94.8 प्रतिशत अंको के साथ द्वितीय स्थान व अश्वीना ने 93.2 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यालय के प्रिंसीपल व शिक्षकों को बधाई दी व बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।